प्रेस विज्ञप्ति **3 सितम्बर, 2017**

दिनांक 3 सितम्बर, 2017 को मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश, फेडरेशन आफ इण्डियन एक्सपोर्टस आर्गानाइजेन्स एवं लायन्स क्लब आदर्श मेन कानपुर के सयुंक्त तत्वावधान में जी.एस.टी का प्रभाव उद्योगों पर चर्चा का चेम्बर के सभागार में मुख्य अतिथि डा0 एम0पी0 अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक श्री लक्ष्मी काट्सयान लि0, चेम्बर के उपाध्यक्ष बी0के0 लाहोटी, लायन्स श्री आर0 के0 महरोत्रा, लायन्स श्री राकेश श्रीवास्तव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला आयोजित हुई।

मर्चेन्ट्स चेम्बर आफ उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष श्री बी0के0 लाहोटी ने कार्यशाला में मुख्य अतिथि डा0 एम0 पी0 अग्रवाल, वक्ता सी0ए0 धर्मेन्द्र श्रीवास्तव एवं सभी आगन्तुकों का कार्यशाला में उपस्थिति हेतु हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत किया। श्री बी0 के0 लाहोटी ने अपने उद्बोधन में बताया कि जी0एस0टी0 पूरी तरह से प्रभावी है परन्तु कुछ ऐसी भ्रान्तियां हैं जिससे छोटे–छोटे उद्योगो, उद्यमियो, कारोबारियों एवं व्यापारियों पर काफी बुरा प्रभाव पड़ रहा है इससे बेरोजगारी बहुत बढ़ रही है। सरकार को जी0एस0टी0 लगाने के साथ–साथ उससे पड़ने वाले दुस्प्रभावों का भी मन्थन करना चाहिए।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता सी0एस0 धमेन्द्र श्रीवास्तव जी ने जी0एस0टी0 पर व्याख्यान देते हुए सूचित किया कि किसी भी कर व्यवस्था के तीन मुख्य बिंदु होते है, जिनमें प्रथम : कर व्यवस्था स्पष्ट होनी चाहिए, द्वितीय : कर-चोरी की संभावना नहीं होनी चाहिए, एवं तृतीय : कर का अनुपालन अत्यंत सरल होना चाहिय। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि GST के पंजीकरण चरना में कोइ समस्या नहीं है, यदि पंजीकरण के दौरान संस्थान का पैन नम्बर दिया गया है तो। सी.ए. श्रीवास्तव ने बताया कि GST की आधारभूत आवश्यकताओं को अभी और मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि GST के विभिन्न रिटर्न (GSTR 3B, GSTR 1, GSTR 2) इलेक्ट्रानिकली फाइल होंगे, जिसके लिए इन्टरनेट, इलेक्ट्रिसिटी एवं अंग्रेजी भाषा का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि GST में प्लेस ऑफ सप्लाई का अत्यधिक ध्यान रखना होगा क्योकि इससे IGST या SGST और CGST करों में से कोन सा कर लगाना है तथा उक्त वस्तु अथवा सेवा को पुनः किस दर पर सप्लाई करना है, इसका निर्धारण होगा पर । सी.ए. श्रीवास्तव ने बताया कि अभी व्यापारियों GST के लिए शिक्षा एवं जागरूकता की आवश्यकता है।

कार्यशाला में मुख्य रूप से जी0एस0टी0का छोटे उद्योगों, कारोबारियों, व्यापारियों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है जिससे कि बेरोजगारी पहले से ज्यादा और बढ़ गयी है साथ ही उद्यमियों, कारोबारियों एवं व्यापरियों का व्यापार बंद होने लगा है और जो कुछ है वह भी बंद की कगार पर है। कपड़ें पर किसी भी तरह का कोई कर पिछले 70 वर्षों से नही लगाया गया था परन्तु जी0एस0टी0 5ः प्रभावी कर दी गयी है। जाब वर्क पर भी जी0एस0टी0 देना पड़ रहा है जिससे बेरोजागारी बढ़ रही है, तकनीकी समस्या होने के कारण जी0एस0टी0 से उद्यमियों, कारोबारियों एवं व्यापारियों को बहुत ही मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यदि इनवाइस जनरेट कर जी0एसी0टी0 का भुगतान कर दिया जाता है और यदि माल लेने वाले ने भुगतान नहीं दिया तो विक्रेता का पेसा फंस जाता है। शराब एवं मनोरजंन कर पर पूर्व टैक्स चल रहा है। कुछ व्यापारियों ने जी0एस0टी0 का पंजीकरण नहीं कराया है परन्तु जी0एस0टी0 वसूल रहे हैं जिसका सीधा प्रभाव उपभोक्ता पर पड़ रहा है। जी0एस0टी0 के पंजीयन में कठिनाइया का होना भी एक बहुत बड़ी बाधा व्यापारियों, उद्यमियो एवं छोटो काराबारियों के लिए है जिससे वह पंजीयन न कर जी0एस0टी0 चार्ज कर उपभोक्ता से वसूला जा रहा है। पूर्व मे वैट से सम्बन्धित जो प्रक्रिया व्यापारियों को झेनली पड़ती थी वह जी0एस0टी0 लगने के बाद भी एसेसमेन्ट, पेनाल्टी, अधिकारियों का उत्पीड़नी, कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाने पड़ते हैं बल्कि पहले से समस्या अब बहुत ही खराब हो गयी है। जी0सी0टी0 प्रभावी होने के बाद कपड़ा उत्पाद, सूती धागे, फेब्रिक उत्पाद और मंहगे हो गये हैं क्यों कि जी0एस0टी 5ः प्रभावी हो गयी हैं हालाकि जूट एवं शिल्क पर कोई भी

जी0एस0टी0 नहीं है। कम्पोजीशन स्कीम में आने वाले कारोबारियों को भी 1ः से 2ः का पूरे कारोबार पर जी0एस0टी0 का भुगतान करना पड़ रहा है। यदि जी0एस0टी0 के भुगतान में कोई गल्ती हो जाये तो लाखों रूपयों का जुर्माना देना पड़ सकता है यह भी प्रावधान किया गया है जिसका असर बहुत बुरा पड़ रहा है।

सरकार द्वारा जी0एस0टी0 प्रभावी करने के पहले जन समूह को बताया गया था कि सभी प्रकार के करों को जी0एस0टी0 में समायोजित कर दिया गया है अलग से कोई अन्य कर देय नहीं होगा परन्तु ऐसा नही हो रहा है। हर राज्य के अलग–अलग कर प्रभावी है जिससे उद्यमी, बारोबारी, व्यापारी एवं जाब वक करर्ने वाले बहुत परेशान है।

कार्यशाला का संचालन श्री राकेश श्रीवास्तव ने किया तथा श्री वाई0एस0गर्ग, मुख्य सलाहकार, फियो, कानपुर ने सभी आगन्तुकों को कार्यशाला में उपस्थिति होने पर हार्दिक धन्यवाद दिया।

कार्यशाला में चेम्बर के सचिव श्री ए0के0 सिन्हा, श्री शशी कुमार बापजेयी, अध्यक्ष इनकम टेक्स बार एसो0, लायन्स बी0एस0सेनी, आर0के0 मेहरोत्रा, वन्दना निगम, दीपक राज आनन्द, श्री एम0एन0मोदी, श्री आलोक श्रीवास्तव एवं शहर के उद्यमी, कारोबारी तथा व्यापारीगण उपस्थिति थे।

सधन्यवाद

मर्चेंट्स चंवर ऑफ उत्तर प्रदेश